अपठित गद्यांश

प्रस्तुति -

डॉ. संदीप कौर
(प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका)
परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-1, मुंबई

कक्षा -7
विषय – हिंदी
माह – मई

अपठित गद्यांश -

किसी भी भाषा को सीखने के क्रम में तथा ज्ञान विज्ञान के इस युग में जानकारी प्राप्त करने में पठन कौशल एक विशिष्ट भूमिका का निर्वहन करता है। विभिन्न प्रकार के विषयों की सामग्री को आत्मसात करने के लिए आवश्यक है कि छात्र उस सामग्री को पढ़ें,पढ़कर समझें, उस पर चिंतन मनन करें और फिर उस पर शुद्ध, स्पष्ट एवं सुसंगत रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकें। इसके लिए अर्थग्रहण का अभ्यास आवश्यक है। अर्थग्रहण की योग्यता के मूल्यांकन में अपठित सामग्री की अपनी एक विशिष्ट योग्यता है। अपठित सामग्री छात्र के पूर्वानुभव का अंग नहीं होती, अतः उसके आधार पर मूल्यांकन से छात्र की स्वतंत्र सोच-समझ पर आधारित अर्थग्रहण योग्यता को उजागर किया जाता है। इस कारण यह माध्यम पठित सामग्री की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

अपठित गद्यांश का अर्थ है- ऐसा गद्यांश जिसे पहले न पढ़ा गया हो। अपठित गद्यांश छात्रों के पठन-पाठन बोधन कौशल के विकास के लिए दिए जाते हैं। छात्रों ने गद्यांश को कितना समझा इसे जानने के लिए गद्यांश पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं।

अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

- ✓ दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक दो-तीन बार पढ़ें और उसे समझने का प्रयास करें क्योंकि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत सामग्री में ही निहित रहते हैं।
- ✓ इसके बाद पूछे गए प्रश्नों को पढ़ें और गद्यांश में संभावित उत्तरों से संबंधित अंशों को रेखांकित कर लें।
- ✓ अब इन प्रश्नों के उत्तर सरल, सुबोध एवं सहज भाषा में लिखें। यथासंभव अपठित गद्य में प्रयुक्त शब्दावली के प्रयोग से बचें।
- ✓ व्याकरण संबंधित त्रुटियों से बचें।
- ✓ जहाँ तक संभव अपनी बात संक्षेप में कहें।
- ✓ यदि अपठित अंश का शीर्षक लिखने के लिए कहा गया हो तो दो-तीन शीर्षक लिखने बाद में जो शीर्षक सबसे अधिक उपयुक्त लगे उसे उत्तर में लिखें।

अपठित गद्यांश

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह जीवन के कठिन समय में चुनौतियों से सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। शिक्षण-प्रक्रिया के दौरान प्राप्त किया गया ज्ञान व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। शिक्षा, जीवन में बेहतर संभावनाओं को प्राप्त करने के अवसर प्रदान करती है। जिससे करियर के विकास को बढ़ावा मिलता है। यह समाज में सभी व्यक्तियों के बीच समानता की भावना लाती है और देश की उन्नति एवं विकास को भी बढ़ावा देती है। आधुनिक तकनीकी युग में शिक्षा की अहम भूमिका है। आजकल शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए बहुत प्रयास किए जा रहे हैं। अब शिक्षा की पूरी व्यवस्था में परिवर्तन किए गए हैं। परंपरागत शिक्षा व्यवस्था के अलावा आजकल दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (डिस्टेंस एजुकेशन) के माध्यम से व्यक्ति अब नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकता है और जिस क्षेत्र में चाहे उसी में अपना करियर बना सकता है।

प्रश्न 1 जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा का विशेष महत्व क्यों है?

उत्तर - जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह जीवन के कठिन समय में चुनौतियों से सामना करने की शक्ति प्रदान करती है।

प्रश्न 2 कैरियर बनाने में शिक्षा का योगदान किस प्रकार है?

उत्तर - करियर बनाने के लिए शिक्षा बेहतर संभावनाओं को प्राप्त करने के अवसर प्रदान करती है।

प्रश्न 3 दूरस्थ शिक्षा पद्धति का क्या लाभ है?

उत्तर- दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से व्यक्ति अपनी नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकता है और जिस क्षेत्र में चाहे उस में अपना करियर बना सकता है।

प्रश्न 4 'शिक्षा की अहम भूमिका' पद में रेखांकित पद किस व्याकरणिक वर्ग के अंतर्गत आता है?

उत्तर- नामिक विशेषण ।

प्रश्न 5 शिक्षा शब्द से विशेषण बनाइए।

उत्तर- शिक्षित

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

बाल मजदूरी बच्चों से लिया जाने वाला वह काम है जो जबरन बच्चों से उनके मालिकों द्वारा करवाया जाता है या एक दबाव पूर्ण व्यवहार है जो मालिकों द्वारा किया जाता है।बचपन पर सभी बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है। जो माता पिता के प्यार और देखरेख में उन्हें मिलना चाहिए। पर यह गैरकानूनी कृत्य बच्चों को बड़ों की तरह जीने पर मजबूर करता है। इसके कारण बच्चों के जीवन में अनेक प्रकार की कमियाँ रह जाती हैं। बाल मजदूरी करने वाले बच्चों की न तो उचित शारीरिक वृद्धि हो पाती है और न ही मस्तिष्क का समुचित विकास हो पाता है। इसी वजह से बच्चों के बचपन के सुनहरे सपने बिखर जाते हैं और उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है जिस उम्र में उन्हें माता पिता का प्यार मिलना चाहिए था, उन्हें स्कूल जाने का अवसर मिलना चाहिए था, अन्य बच्चों की तरह खेल-कूद के अवसर मिलने चाहिए थे उन सबसे ये बच्चे वंचित रह जाते हैं। बाल-मजदूरी को पूरी तरह से रोकने के लिए ज़रूरी है कि बाल-मजदूरी कराने वाले लोगों पर सरकार कड़ी कारवाई करें और उन बच्चों को भी जीने का अवसर प्रदान करे।

(1) बाल मजदूरी से क्या तात्पर्य है?
(2) बाल मजदूरी से बच्चों को क्या नुकसान होता है?
(3) बाल मजदूरी करने वाले बच्चे किन-किन कार्यों से वंचित रह जाते हैं?
(4) बाल मजदूरी को पूरी तरह से रोकने के लिए क्या जरूरी है?
(5) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

॥धन्यवाद॥